

Home > राजा > अखिल भारतीय विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर ...

अर्थशास्त्र अर्थशास्त्र विज्ञान

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन

By Pannam Sagar - May 28, 2023

00 3 00 0

बल्लभगढ़ (नेशनल प्रहरी/ रघुबीर सिंह)। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कौत के कुशल मार्गदर्शन में स्वागत सत्र के साथ शुरू हुआ। आयोजकों ने आने वाले दिन के लिए उत्साह और प्रत्याशा का माहौल बनाते हुए एक गर्मजोशी से स्वागत किया। सम्मेलन की शुरुआत नाइजीरिया के ऑलजेरियो में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय केबी स्टेट के एक उल्लेखनीय वक्ता मुरुता अमीनू से हुई। उनकी व्यावहारिक प्रस्तुति ने डिजिटल युग में पुस्तकालय पेशवरी के बढ़ते क्षितिज और प्राथमिक लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दर्शकों को बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए पुस्तकालयों के विकसित होते परिदृश्य से संबंधित दायरे और उद्देश्यों पर वाक्पटुता से चर्चा की। दूसरे दिन के सत्रों में शोध पत्र प्रस्तुत किये गए और पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र के प्रतिष्ठित पेशवरी द्वारा वार्ता आमंत्रित की गई। सुबह के सत्र की अध्यक्षता एनआईटी, कुरुक्षेत्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो.एस.के.चक्रवर्ती ने की। सत्र की शुरुआत दो आमंत्रित वार्ताओं के साथ हुई। प्रो.पांडे एस.के. शर्मा, सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सूचना अधिकारी ने पहला आमंत्रित व्याख्यान दिया। समृद्ध भारतीय संदर्भ से प्रेरणा लेते हुए प्रो.शर्मा ने सतत विकास सिद्धांतों के उदाहरण के संदर्भ के रूप में श्रीमद्भगवद् गीता और स्कंदपुराण पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे ये प्राचीन ग्रंथ मूल्यवान अंतर्दृष्टि और शिक्षा प्रदान करते हैं जिन्हें सतत विकास की समकालीन चुनौतियों पर लागू किया जा सकता है। द्वितीय आमंत्रित वार्ता प्रो. एस.के. शोणकर, पुस्तकालय विज्ञान विभाग, बाबा साहेब अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने डिजिटल युग में सूचना साक्षरता के महत्व पर चर्चा की और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के बीच सूचना साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उचित उद्धरण प्रथाओं, कार्य की मौलिकता और अकादमिक अखंडता को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। आमंत्रित वार्ता के बाद अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ की डॉ. उदित कुंठ ने पेपर प्रेजेंटेशन सेगमेंट के मॉडरेटर की भूमिका निभाई। शोधकर्ताओं ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों को शामिल करते हुए अपने पेपर प्रस्तुत किए। ज्ञान के आदान-प्रदान और चर्चा के लिए एक आकर्षक माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तुतियों को अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था। साथ ही अग्रवाल कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गीता गुप्ता ने ऑनलाइन माध्यम से सत्र की अध्यक्षता की जिसमें देश विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के 29 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर सुभाष कैलोरिया ने मॉडरेटर की भूमिका निभाई। सत्र में दूरस्थ रूप से आयोजित शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया, जिससे विभिन्न स्थानों के शोधकर्ताओं को भाग लेने और अपने काम को साझा करने का अवसर मिला। प्रो. दिनेश गुप्ता, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने अंतिम सत्र की अध्यक्षता की। दिल्ली विश्वविद्यालय में एनआईएस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीष ने एक आमंत्रित वार्ता दी। डॉ. मनीष ने प्लेगिज्म के प्रभाव पर प्रकाश डाला और मूल शोध के निर्माण की पुरजोर वकालत की। उन्होंने अद्वितीय और प्रामाणिक कार्य का निर्माण करके प्लेगिज्म से बचने के महत्व पर जोर दिया। शोधकर्ताओं ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हुए अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों ने जीवंत चर्चाओं को उजागर किया और क्षेत्र में नवीनतम शोध और प्रगति का प्रदर्शन किया। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 56 उपस्थित लोगों की प्रभावशाली भागीदारी देखी गई, जिसमें लगभग 27 प्रतिभागी व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए और 29 प्रतिभागी ऑनलाइन शामिल हुए। सम्मेलन ने अपने शोध निष्कर्षों और अंतर्दृष्टि को साझा करने के इच्छुक पेशवरी के एक विविध और उत्साही समूह को आकर्षित किया। आकर्षक पेपर प्रस्तुतियों के एकीकरण ने सम्मेलन कार्यक्रम को निर्बाध रूप से समृद्ध किया, जिससे विद्वानों को अपने अत्याधुनिक शोध का प्रसार करने और प्रतिभागियों के बीच उपयोगी चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने में मदद मिली। सम्मेलन ने भारत और विदेशों दोनों से प्रतिनिधियों और विशिष्ट वक्ताओं को आकर्षित किया। हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से विविध प्रतिनिधित्व और कई अन्य ने सम्मेलन के जीवंत और समावेशी माहौल में योगदान दिया।